

न्यायालय श्रीमान् सदस्य महोदय राजस्व मण्डल केम्प सागर म०पु०

उमेश राठौर तनय श्री परसोत्तम राठौर,

निवासी सदर बाजार सागर थाना केन्ट तह. व जि. सागर म० पु०

निकाराना-3301/2018/सागर/शु०२१०

आवेदक/पुनरीक्षणकर्ता

॥ बिम्ब ॥

B.O.R.

22 MAY 2018

अविनाश मोहन दुबे तनय श्री सुरेन्द्र मोहन दुबे

इस

निवासी 52- रविशंकर बाई सागर तह. व जि. सागर म० पु०

उत्तरवादी

पुनरीक्षण अन्तर्गत धारा 50 म० पु० शु० रा० सं०

पुनरीक्षण कर्ता माननीय अधिसूच्य न्यायालय अपर कमिश्नर महोदय

जिला सागर संभाग सागर द्वारा राजस्व पुरकरण क्र. 869/बी/121-

ताने

बर्ष 2016-17 ग्राम खाखेडी सागर तह. व जिला सागर में आदेश दि.

19-5-2018 से परिषेदित होकरनीचे लिखे तथ्यों के अतिरिक्त आधार

पर

पर पुनरीक्षण प्रस्तुत करता है:-

थी

पुरकरण के संक्षिप्त तथ्य

क

1- यह कि यदि उत्तरवादी अविनाश मोहन ने दि. 27-7-2013

को कब्जा हटाने बखत आवेदन पत्र माननीय अधिसूच्य न्यायालय

दय

तहसीलदार महोदय, सागर के न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया था

थी

जिसमें उसने आवेदक/पुनरीक्षण कर्ता एवं शान्ता हयानि को पक्षकार

हो

बनाया था. उक्त आवेदन में यह बताया गया था कि खतारा नम्बर

239,113 में से 15/40 कुल वर्गफुट 600 उत्तरवादी के नाम से दर्ज है

आवेदक के प्लॉट पर अनावेदक गण जबरन कब्जा कर. मकान बनाया है

ना

जो अनावेदक ने जबरन कब्जा किया है उसको हटाने का आवेदन

पत्र प्रस्तुत किया था।

क

2- यह कि पुनरीक्षणकर्ता/अनावेदक ने उक्त पुरकरण में अपना जवाब

थनी

रीक्षण

11/211

88
23/05/18

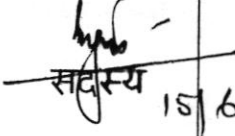
2

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी-3301/2018/सागर/भूरा.

संशोधित आदेश

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
15-06-2018	<p>आवेदक की ओर से श्री दयाशंकर तिवारी, अभिभाषक उपस्थित । अनावेदक अविनाश मोहन दुबे स्वयं उपस्थित । उभय पक्ष द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया । अपर आयुक्त सागर संभाग सागर द्वारा पारित आदेश दिनांक 19-04-2018 की सत्यप्रतिलिपि का अवलोकन किया गया ।</p> <p>अपर आयुक्त के द्वारा दिया गया आदेश निम्नानुसार है ।</p> <p>उपरोक्त विवेचना के आधार पर अविनाश मोहन दुबे द्वारा प्रस्तुत यह अपील स्वीकार की जाती है । अनुविभागीय अधिकारी सागर द्वारा पारित आदेश दिनांक 24/05/2017 एवं नायब तहसीलदार वृत्त 02 सागर द्वारा पारित आदेश दिनांक 16/12/2015 निरस्त किये जाते हैं । तहसीलदार सागर को आदेशित किया जाता है कि स्वयं स्थल निरीक्षण करके, अविनाश मोहन दुबे के विक्रय पत्र दिनांक 07/05/2002 में दर्शित सीमाओं का मिलान स्थल से करके वादग्रस्त प्लॉट पर अविनाश मोहन दुबे को विधिवत कब्जा दिलावे । मेरे बोलने पर टंकित, आदेश की एक प्रति सहित अभिलेख आदेश के पालनार्थ वापिस भेजा जावे । संबधित सूचित होकर यह प्रकरण संचित अभिलेखागार हो ।</p> <p>अपर आयुक्त द्वारा निकाले गये उपरोक्त निष्कर्ष विधिसंगत है । जिसमें हस्तक्षेप का कोई आधार इस निगरानी में नहीं है । फलस्वरूप यह निगरानी प्रथम दृष्ट्या आधारहीन होने से अग्राह्य की जाती है ।</p>	<p> सदस्य 15/6/18</p>